REDDY): (a) No record is available to indicate whether the Postmaster-General, Madhya Pradesh Circle had given an assurance to the Madhya Pradesh Chamber of Commerce that Subscriber Trunk Dialling Service between Delhi and Gwalior would be completed in 1974.

(b) Gwalior exchange is planned to be connected to the Trunk Automatic Exchange at Agra after its commissioning in early 6th Plan period Through Agra Trunk Automatic Exchange, Gwalior subscribers will be able to dial into Delhi telephone system.

मारति कन्सलटेंसी सर्विसिज

*561. **श्री जगन्नाथ राव जोशी :**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

क्या औद्योगिक विकास मंत्री 'मारति कन्सलटेंसी सर्विसिज' के सभाव्यता प्रतिवेदन के आधार पर लाइसेंस जारी करने के बारे में 28 नवम्बर, 1973 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2565 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) नवम्बर, 1970 में मारति टेकनीकल कन्सलटेंसी के पंजीकरण से पूर्व उसके विशेषज्ञों के नाम और उनके अनुभव क्या थे ; और

(ख) नवम्बर, 1970 से अब तक ऐसे लाइसेंसों की संख्या क्या है जिनके सभाव्यता अथवा परियोजना प्रतिवेदन मारति कन्सलटेंसी टेकनीकल ने तैयार नहीं किए हैं ?

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और औद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सुब्रह्मण्यम): (क) मारति टेकनीकल सर्विस प्रा० लि० कम्पनियों के रजिस्ट्रार दिल्ली और हरियाणा के कार्यालय में पंजीकृत है तथा इस मंत्रालय की परामर्शदात्री फर्म के रूप में सूचीबद्ध नहीं है। मांगी गई जानकारी इस मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है।

(ख) औद्योगिक लाइसेंस आदि के आवेदन पत्रों के साथ परामर्शदात्री फर्म द्वारा तैयार की गई संभाव्यता परियोजना रिपोर्ट भेजना आवश्यक नहीं है। अत. संभाव्यता/परियोजना रिपोर्ट के आधार पर जारी किए गये औद्योगिक लाइसेंसों के आंकड़े नहीं रखे जाते। फिर भी, ऐसा कोई प्रकरण नहीं है जिसमें मैसर्स मारति टेक्नीकल सर्विसेज द्वारा तैयार की गई संभाव्यता अथवा परियोजना रिपोर्ट के आधार पर आशय पत्र जारी किया गया है।

देसूरी तहसील हैडक्वार्टर में एक स्कूल के निर्माण में रुकावट बनने वाले एक टेलीफोन पोल का हटाया जाना

*563 श्री मूलचन्द डागा : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या देसूरी तहसील हैडक्वार्टर पर जो पाली जिले (राजस्थान) में है, लड़कियों की पाठशाला के भवन का निर्माण रुक गया है क्योंकि अनुरोध किए जाने के बावजूद डाक और तार विभाग ने अपना पोल (खम्भा) नहीं हटाया है, और

(ख) क्या इस बारे में गांव वालों ने एवं अन्य व्यक्तियों ने डाक तथा तार विभाग को प्रार्थना पत्र भी दिया था, और यदि हां, तो अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

संचार मंत्री (श्री के० ब्रह्मानन्द रेड्डी) : (क) लड़कियों के स्कूल के पास से डाक-तार विभाग का खम्भा हटाने का अनुरोध मंडल इंजीनियर से तारीख 11 फरवरी, 1974 को किया गया था।

(ख) देसूरी के सरपंच और गांव के एक अन्य व्यक्ति ने मंडल इंजीनियर को तारीख 11 फरवरी, को तार भेजा है। खम्भा हटाने के खर्च (सिर्फ फुटकर खर्च) की बतौर 181 रु० का डिमाड-नोट देसूरी के सरपंच के नाम तारीख 15 मार्च को भेजा गया था, जिसकी अदायगी 20 मार्च को हो गई है। खम्भा हटाने का काम तत्काल शुरू कर दिया गया है।

Loans to Engineering Industries in West Bengal and Orissa

*564. SHRI GAJADHAR MAJHI :

SHRI SAKTI KUMAR SARKAR: Will the Minister of INDUSTRIAL